

विचार बिन्दु

श्वास की क्रिया के समान हमारे चरित्र में एक ऐसी सहज क्षमता होनी चाहिए। जिसके बल पर जो कुछ प्राप्य है वह अनायास ग्रहण कर लें और जो त्याज्य है वह बिना क्षोभ के त्याग सकें। -टैगोर

और अब कोरोना के नए अवतार ओमिक्रान की दहशत

कोरोना के दो साल होने के बावजूद यह नए नए अवतार लेकर सामने आ रहा है। अब अफ्रीका से यह नया अवतार ओमिक्रान के रूप में दुनिया को हिलाने आ गया है। कोरोना के नए वैरियंट ओमिक्रान को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैरियंट ऑफ कंसर्ट घोषित करने से ही इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है।

विशेषज्ञों द्वारा माना जा रहा है कि कोरोना के डेल्टा अवतार से भी यह सात गुणा तेजी से फैलने वाला वैरियंट है। यह भी साफ हो जाना चाहिए कि वैरियंट की गंभीरता को देखते हुए उसे कंसर्ट ऑफ वैरियंट घोषित किया गया है अन्यथा स्थिति में तो सामान्यतः वैरियंट ऑफ इंटरस्ट की श्रेणी में ही रखा जाता है। कंसर्ट की श्रेणी में गंभीरता को देखते हुए ही डाला जाता है।

विशेषज्ञों द्वारा माना जा रहा है कि यह वैरियंट डेल्टा से भी ज्यादा तेजी से फैलने वाला वैरियंट है। एक अनुमान के अनुसार डेल्टा से सात गुणा अधिक तेजी से यह फैलता है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि न्यूयार्क में 15 जनवरी, 2022 तक के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी है तो दुनिया के देश दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर रोक लगा रहे हैं।

गौरतलब है कि कोरोना के ही वैरियंट डेल्टा ने अक्टूबर 2020 में भारत में प्रवेश किया और जबरदस्त तरीके से प्रभावित करने के साथ ही जानलेवा साबित हुआ। ओमिक्रान को गंभीरता से लेने का एक कारण यह भी है कि जहाँ एक ओर यह वैरियंट तेजी से फैल रहा है वहीं यह भी माना जा रहा है कि वैक्सीन इस पर अधिक असरकारक नहीं है। अफ्रीका में करीब दो माह से प्रभावित कर रहा यह वैरियंट ओमिक्रान पिछले चार से पांच दिनों में ही दक्षिण अफ्रीका के साथ ही हांगकांग, बोत्सवाना, बेल्जियम, जर्मनी, चेक गणराज्य, इजराइल और ब्रिटेन पहुंच गया है। भारत में भी बैंगलोर उतरे अफ्रीका से आए दो मरीज कोरोना संक्रमित मिलने से हड़कंप मच गया है पर अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे ओमिक्रान से ही संक्रमित है या अन्य किसी वैरियंट से। इसी तरह से पुष्कर में तीन फ्रांसिसी महिला पर्यटकों के कोरोना संक्रमित मिलना चिंता का सबब बन गया है।

वर्तमान परिदृश्य में हम सबकी जिम्मेदारी हो जाती है कि लोगों को कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। लोगों को यह समझना होगा कि जीवन है तो सबकुछ है नहीं तो कुछ भी नहीं। ऐसे में अभी सतर्कता जरूरी है और इसे समझना व समझाना होगा।

उड़ानों पर रोक लगा रहे हैं। अब तक 1200 से अधिक संक्रमित मिलने से दुनिया दहशत में आ गई है। भारत सहित दुनिया के देश स्थितियों पर गंभीरता से नजर रखे हुए हैं और आवश्यक एहतियाती तैयारी में जुट गए हैं।

दरअसल यह माना जा रहा था कि कोरोना का अभिशाप अधिक दिन नहीं चलेगा पर देखते देखते दो सालों में ही दुनिया के देश इसके पांच वैरियंट से रूबरू हो चुके हैं। सितंबर 2020 में इंग्लैंड में अल्फा, मई, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में बीटा, नवंबर, 2020 में ब्राजील में गामा, अक्टूबर, 2020 में भारत में डेल्टा और अब ओमिक्रान ने असर दिखाया शुरू कर दिया है। दरअसल वायरस की जीनोमिक संरचना में बदलाव होकर के यह नए वैरियंट का रूप ले लेता है। कोरोना ने वैसे तो पूरी दुनिया में अपना असर दिखाया है पर अमेरिका, ब्राजील, भारत संक्रमण और मौत के मामलों में सबसे अधिक प्रभावित देश रहे हैं।

दरअसल कोरोना जैसी महामारी से जुड़ने का दुनिया के देशों के सामने यह पहला अवसर आया है। इससे पहले प्लेग, कोलेरा, फ्लू, काळा ज्वर, तपेदिक, पोलियो, एड्स, खसरा, चेचक जैसी कई महामारियों से जुड़ा चुका है। समय के साथ इनका इलाज भी खोजा गया। पर मजे की बात यह है कि कोरोना के चलते तपेदिक वापिस अपना असर दिखाने लगी है और पिछले दिनों में तपेदिक के कारण मौत के मामलों लगातार बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि कोरोना प्रोटोकाल की बावजूद जिस तरह से कोरोना का थोड़ा असर कम दिखते ही प्रतिबंधों में छूट और शिथिलता बरती जाने लगी तो कोरोना नए अवतार में सामने आने लगा। नो मास्क नो हंटी और दो गज की दूरी के संदेश के बावजूद धीरे-धीरे इनका असर कागजी रहने से तबाही का मंजर जारी है। लापरवाही के चलते कोरोना है कि थोड़ी राहत देकर वापिस पूरी तेजी से आक्रमक हो रहा है। अभी वैक्सीनेशन भी पूरी तरह से नहीं हो पाया है। वैक्सीनेशन के कम असर के आए दिन आने वाले समाचारों से लोग हतोत्साहित हो रहे हैं सो अलगा। दरअसल लोगों में निराशा अधिक व्याप्त होने लगी है। ऐसे में इस सबके साथ ही आशा और विश्वास की बूस्टर डोज ज्यादा जरूरी हो जाती है। मजे की बात यह है कि एक ओर वापिस कोरोना के मामलों बढ़ने लगे हैं तो दूसरी ओर शिथिलता भी बढ़ती जा रही है। योरोपीय देशों में पाबंदियों को हटाने को लेकर बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे में सबकी जिम्मेदारी हो जाती है कि लोगों को कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। लोगों को यह समझना होगा कि जीवन है तो सब कुछ है नहीं तो कुछ भी नहीं। ऐसे में अभी सतर्कता जरूरी है और इसे समझना व समझाना होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल मंगलवार 30 नवम्बर, 2021

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत् 2078, हस्त नक्षत्र रात्रि 8:34 तक, आयुष्मान योग रात्रि 12:02 तक, बव करण दिन 3:14 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरु-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

कुमार योग रात्रि 8:34 तक है। द्विपुष्कर योग रात्रि 2:14 से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 2:14 तक रहेगा। आज उत्पन्न (वैतरणी) एकादशी व्रत और पदम प्रभु मोक्ष दिन (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:39 से 10:57 तक, लाभ-अमृत 10:57 से 1:34 तक, शुभ 2:52 से 4:11 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:02, सूर्यास्त 5:29

मेष	सिंह	धनु
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन का व्यय हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।	व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।
वृष	कन्या	मकर
नौकरिपेशा व्यक्तियों को उच्चधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में सफल रहेगी।	धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।
मिथुन	तुला	कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेगी।	व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरिपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।	चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।
कर्क	वृश्चिक	मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।	आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि हो सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।	परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

उदयपुर के एम.ए.हुसैन की पेंटिंग को दुबई में मिला सर्वश्रेष्ठ कलाकृति का खिताब

हुसैन की पेंटिंग सवा लाख दिरहम भारतीय मूल्य 25 लाख रूपए में बिक्री

उदयपुर, (कांसं)। दुबई के इंडियन कॉन्सुलेट स्थित यूई टॉलरेंस वीक -2021 के तहत डॉ. रोमित पुरोहित और पेंट ब्रश आर्ट कम्प्युनिटी की संस्थापक व सीईओ सोनल पुरोहित

■ प्रदर्शनी में सात देशों के कलाकारों ने कलाकृतियों का प्रदर्शन किया

■ यह पेंटिंग इस साल बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग्स में से एक है

द्वारा आयोजित इंद्रधनुष एंड इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ आर्ट एग्जिबिशन एंड वर्क शॉप में उदयपुर



उदयपुर के एम.ए.हुसैन द्वारा कलाकृति।

के आर्टिस्ट एम.ए. हुसैन की पेंटिंग इस साल दुबई में बिकी सबसे महंगी पेंटिंग्स में अपनी जगह बनाने में

कामयाब हुई। सोनल पुरोहित ने बताया कि प्रदर्शनी में सात देशों के कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। एग्जिबिशन में कलाकारों की 50 कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में उदयपुर के जाने-माने पेंटर एम. ए. हुसैन की हुसैन बनाम हुसैन कलाकृति को सर्वश्रेष्ठ चुना गया। हुसैन की कलाकृति को सवा लाख दिरहम में खरीदा गया जिस का भारतीय मूल्य 25 लाख रूपए है।

यह पेंटिंग इस साल बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग्स में से एक है। एग्जिबिशन को और आकर्षक बनाने के लिए इसमें फैशन शो का भी आयोजन किया गया जिसमें 46 कलाकारों ने ब्लू टीशर्ट पहन कर अपनी कलाकृति को प्रदर्शित किया।

इतिहास में पहली बार जाखम बांध नवम्बर माह में छलका

1986 के बाद 20 वीं बार चली चादर

धरियावद, (निस्)। धरियावद से 32 किमी दूर सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य की गोद में स्थित राजस्थान का सर्वोच्च ऊंचाई वाला जाखम परियोजना सिंचाई बांध लंबे इंतजार के बाद 29 नवम्बर को छलका। जाखम बांध की ऊंचाई 31 मीटर (102 फिट) और भराव क्षमता 5 हजार 15

■ जाखम बांध की ऊंचाई 31 मीटर (102 फिट) और भराव क्षमता 5 हजार 15 एमसीएफटी है

एमसीएफटी है। 1986 में प्रथम बार चादर चली तब से अब तक 20वीं बार जाखम बांध लबावब होकर चादर चली है। अधिशाषी अधिष्ठाता भगवानसिंह करदम ने बताया कि पश्चिमी हवाओं का दबाव व मानसून रह रहकर उठ रहे हैं। विगत 10 दिन पूर्व बरसात होने के कारण पानी रिसता हुआ जाखम बांध में आ रहा था जिसके चलते अब जाकर इतिहास में पहली बार जाखम बांध के पश्चात नवम्बर



धरियावद के जाखम बांध की चादर चलने का नजारा।

माह में छलका। वही अब जाखम बांध की एलएमसी की नहर छोड़ दी गई है और आरएमसी नहर भी शीघ्र सिंचाई हेतु छोड़ी जाएगी जिससे अब तक भराव क्षमता धीरे धीरे कम हो जाएगी जिसके चलते अब जाखम बांध की चादर नहीं बढ़ सकेगी।

अधिशाषी अधिष्ठाता रामाधार मीना ने बताया कि जाखम बांध की नहरों से 28 हजार 319 हेक्टर

सिंचित क्षेत्र में सिंचाई की जाती है। क्षेत्र में अतिथित सहित 58 हजार हेक्टर भूमि में पैदावार होती है। जाखम बांध बनने के पश्चात अब तक 19 बार चादर चली जिसमें सन 1986 में 2 मीटर 55 सेंटीमीटर, वर्ष 1988 में 15 सेंटीमीटर, 1989 में 85 सेंटीमीटर, 1990 में 1 मीटर 70 सेंटीमीटर, 1991 में 1 मीटर, 1994 में 1 मीटर 80 सेंटीमीटर, 1996 में

1 मीटर 20 सेंटीमीटर, 2001 में आधा मीटर, 2004 में 1 मीटर 85 सेंटीमीटर, 2006 में 3.5 मीटर, 2012 में सवार चार फिट, 2013 में 2 फिट, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019 में 1 मीटर 52 सेंटीमीटर के, वर्ष 2020 में 14 सितम्बर तथा इस सत्र 2021 में इतिहास में पहली बार नवम्बर माह में 29 नवम्बर को चादर चली।

हैडकांस्टेबल के निधन के बाद बेटियों की शादी के लिए साथियों ने जुटाए दो लाख रूपये

स्वयं के साथ ही जनसहयोग से एकत्रित दो लाख 121 रूपए की राशि सौंपी

राजसमंद, (निस्)। आमजन की सुरक्षा में 24 घण्टे तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मी अपने साथ जवान के लिए भी उतने ही सजग है। कांकरोली थाने में हैडकांस्टेबल पदस्थापित मांगीलाल की बीमारी के चलते पिछले सप्ताह निधन हो गया। हैडकांस्टेबल के घर में उनकी दो पुत्रियों के विवाह होने व परिवार की आर्थिक स्थिति को समझते हुए कांकरोली थाने के पुलिस जवानों ने सहयोग राशि भेंट कर आर्थिक सहयोग दिया। कांकरोली थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास की पहल पर कांकरोली थाने के पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने स्वयं की मदद के साथ कुछ सहयोग राशि भी एकत्रित की।

गौरतलब है कि कांकरोली थाने



राजसमंद में हैडकांस्टेबल मांगीलाल की पुत्रियों व परिजनों को सहायता राशि भेंट करते पुलिसकर्मी।

में तैनात देसूरी जिला पाली निवासी बेटियों की 28 नवम्बर को शादी आ परिवार पहले से ही काफी आर्थिक हैड कांस्टेबल मांगीलाल की दो गईं बीमारी के चलते मांगीलाल का संकटों से जूझ रहा था यह देखते हुए

■ पुलिसकर्मीयों ने दिया सामाजिक सरोकार का अनुठा उदाहरण

■ लम्बी बीमारी के चलते कांकरोली हैडकांस्टेबल का हो गया था निधन

कांकरोली थाना प्रभारी योगेन्द्र व्यास के निर्देशन में सभी जवानों व जन सहयोग से 2 लाख 121 रूपए एकत्र किए गए। इसके बाद सहायक उप निरीक्षक जयवंतसिंह, सूचना अधिकारी सहित कई जवानों ने राशि सुपुर्द की।

आठ दिनों में 1500 किमी की दूरी तय करेगी स्वर्णिम विजय बाइक रैली

जयपुर, (कांसं)। कोटेश्वर, गुजरात से स्वर्णिम विजय वर्ष बाइक रैली को लेफ्टिनेंट जनरल पी एस मन्हास, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, डेजर्ट कोर ने हरी झंडी दिखाकर 29 नवंबर को रवाना किया।

रैली में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, बीएसएफ, तटरक्षक बल, मीडियाकर्मी और मोटरसाइकिल के कुल 60 सवार भाग ले रहे हैं। वे भुज, अहमदाबाद, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर से गुजरेंगे और अंत में 05 दिसंबर 2021 को लोंगेवाला में लोंगेवाला दिवस समारोह के साथ समापन होगा और आठ दिनों की सर्वाधिक में लगभग 1500 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

रैली को हरी झंडी दिखाते हुए डेजर्ट कोर के जनरल ऑफिसर



गुजरात से स्वर्णिम विजय वर्ष बाइक रैली को लेफ्टिनेंट जनरल पी एस मन्हास, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, डेजर्ट कोर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कमांडिंग ने कहा कि हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी सीमाओं की रक्षा करने वाले और दुश्मन के नापाक इरादों से अपने क्षेत्र की रक्षा करने वाले हमारे दिग्गजों के द्वारा दिये गए सर्वोच्च बलिदान को

याद करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन लोगों से जुड़ने और उन्हें सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान की याद दिलाने के लिए देश भर में आयोजित होने वाले समारोहों का एक हिस्सा है।

से आयोजित की जा रही यह रैली, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर हमारे राष्ट्र की जीत के 50 वें वर्ष को चिन्हित करने के लिए देश भर में आयोजित होने वाले समारोहों का एक हिस्सा है।

नीति आयोग ने मंजूर किया तनोट-लोंगेवाला- बबलियान पर्यटन परिपथ

जैसलमेर, (नि.सं.)। अन्तर्राष्ट्रीय सरहद पर अवस्थित जैसलमेर जिले में सीमावर्ती पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर जिला कलक्टर आशीष मोदी की पहल जबरदस्त रंग लायी है। इस संबंध में जिला कलक्टर के निर्देश पर बनाए गए प्रोजेक्ट को नीति आयोग द्वारा मंजूर कर लिया गया है।

इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सरहदी पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के साथ ही सीमा सुरक्षा बल की कार्य शैली के बारे में पर्यटकों में जागरूकता लाने तथा रोजगार के नये अवसर सृजित करने के उद्देश्य से तनोट-लोंगेवाला-बबलियान परिपथ को विकसित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जैसलमेर जिला आकांक्षी कार्यक्रम में शामिल है, जिसके अन्तर्गत जिला कलक्टर आशीष मोदी के प्रयासों से नीति आयोग ने सीमावर्ती पर्यटन को बढ़ावा देने के इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति प्रदान की है।